

पाठ-2 वर्ण विचार स्वर वर्ण , मात्राएँ



CLASS: V
SESSION NO : 6
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER: 2
TOPIC: वर्ण विचार
SUB TOPIC: स्वर वर्ण , मात्राएँ

CHANGING YOUR TOMORROW

शिक्षण उद्देश्य

हिन्दी भाषा की वर्ण
व्यवस्था से परिचय करना ।

वर्ण

भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं। यह ध्वनि का लिखित रूप है।


वर्णमाला

वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में कुल मिलाकर 44 वर्ण हैं।

वर्णमाला

स्वर वर्ण

व्यंजन वर्ण



स्वरवर्ण -

जिन वर्णों के उच्चारण के समय हवा बिना किसी रुकावट के मुहँ से बाहर निकलती है उन्हें स्वरवर्ण कहते हैं। उदाहरण- अ ,आ , इ , ई , उ ,ऊ , ऋ , ए , ऐ ,ओ ,औ

स्वर

ह्रस्व स्वर


दीर्घ स्वर

प्लुत स्वर

उच्चारण में सबसे कम समय लगता है ।

उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है ।

उच्चारण में ह्रस्व स्वर से तीन गुना समय लगता है ।

- 
- अनुस्वार - इनका नाक से उच्चारण होता है । पतंग , घंटी
 - अनुनासिक - इनका उच्चारण नायक और गले दोनों से होता है।
गाँव , आँख
 - विसर्ग-इनका उच्चारण 'ह' की तरह होता है। अतः , नमः
 - आगत आँ - इनका प्रयोग अंग्रेजी से हिन्दी में आए शब्दों के लिए किया जाता है। चाँक , बॉल

मात्राँ – स्वरों के लिए निर्धारित चिन्हों को मात्राँ कहते हैं।





गृहकार्य

**प्रश्न 1 और 2 व्याकरण कॉपी में
कीजिए ।**

शिक्षण प्रतिफल

हिन्दी भाषा की वर्ण
व्यवस्था तथा उच्चारण का
ज्ञान प्राप्त होना। ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP